

## पाल बालाजी ज्योतिष ज्ञान महोत्सव का आयोजन

### ज्योतिषीय ज्ञान प्रामाणिक और सहज रूप में आम जन तक पहुंचाया जाए—राज्यपाल

जयपुर, 2 जुलाई। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने ज्योतिषीय ज्ञान को प्रामाणिक और सहज रूप में आम जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष भारत की अनमोल धरोहर है, इसमें समाहित ज्ञान का आधुनिक वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में वृहद स्तर पर विकास होना चाहिए।

राज्यपाल श्री मिश्र शनिवार को मानसरोवर स्थित दीपशिखा कॉलेज में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एवं पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान की ओर से ज्योतिष विद्या पर आयोजित प्रथम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ज्योतिष ज्ञान से जुड़े अध्ययन को प्रोत्साहित करने के साथ ही इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए भी कार्य किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि ज्योतिष का ज्ञान वैदिक परंपराओं का मूल है। पृथ्वी, आकाश एवं नक्षत्रमण्डल के ग्रहों की गतियों तथा उनसे होने वाले प्रभाव की चर्चा ज्योतिष शास्त्र में जिस सूक्ष्मता से मिलती है, वह अन्यत्र कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि विद्वानों को ज्योतिष ज्ञान को प्राचीन वेद विज्ञान और खगोलीय ज्ञान से जोड़कर पूर्ण प्रमाण के आधार पर प्रसारित करना होगा।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि ज्योतिषीय ज्ञान भारतीय लोक जीवन में भी गहराई तक व्याप्त है। खेती और वर्षा के संबंध में भारतीय काल गणना पर आधारित भविष्यवाणियां आज भी सटीक मानी जाती हैं। उन्होंने इसी अनुरूप ज्योतिष ज्ञान को आमजन के लिए सुगम करने की आवश्यकता बताई।

राज्यपाल ने आयोजन को भारतीय ज्योतिष और वास्तु विज्ञान से जुड़े ज्ञान पर आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विचार-विमर्श की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस दौरान भारतीय संत परंपरा से जुड़े से जुड़े अपने अनुभव भी सभी से साझा किए।

राज्य मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्ण व्यास ने कहा कि ज्योतिष का मूलभूत ज्ञान व्यक्ति को जीवन सुगमतापूर्वक जीने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष कोई पेशा नहीं मानव कल्याण का माध्यम है।

ज्योतिषाचार्य श्री अनीश व्यास ने कहा कि युवा पीढ़ी को ज्योतिष शास्त्र के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आरम्भ में राज्यपाल श्री मिश्र ने उपस्थितजन को संविधान की उद्देश्यिका और मूल कर्तव्यों का पठन करवाया।

कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के चेयरमैन श्री प्रेम सुराणा, प्रो चांसलर श्री अंशु सुराणा, श्री जी.डी. वशिष्ठ, प्रो. अनिल मित्रा सहित बड़ी संख्या में ज्योतिष विद्वान एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।